अनुसूची 21—फ़ारम सं० 113

19-478

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

1766

प्रमाण-पत्र संख्या ..... 19..... आवेदन सं० 4260 9-473 19.....

चूँकि श्री Sri Umesh Kumar and one others

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निर्बंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणिकों में ता० 2005 19 तक से ता० till date तक तलाशी की गयी और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला.....

चला है अतः: Bank से ऋण पाया।

क्र० सं०	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र० निदेश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	mauza Jalalpur Thana Rupaspur 22 District Patna		Tauzi No 5525 Khata No 158 S. Plot No 70 Area 96 decimal					

Scanned by CamScanner

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।
2. बंधक-पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।
3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण-पत्र तैयार किया:

(हस्ताक्षर): उमेश कुमार

(पदनाम): UDC

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की:

(हस्ताक्षर): [illegible]

(पदनाम): U.D.C

कार्यालय: Danapur

तारीख: 13-4-2018

मुहर [illegible] निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

टिप्पणी:- इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार [illegible] गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजो में दिखाया गया हो [illegible] ऐसी दशा में प्रभावित संव्यवहार (ट्रान्जेक्शनस) ईस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जावेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा-५७ के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमाणियाँ (इन्डेन्स) की प्रविष्टियाँ देखनी चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण-पत्रों की जरुरत हो उन्हे तलासी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिये किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढ़े गये संव्यवहारों और अवभारों की सत्यापन के बाद प्रमाण पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारो और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, जिला निबंधक Danapur 13-4-18

जाप संख्या 1145, दिनांक

आवेदक श्री Umesh Kumar

का अवभार प्रमाण पत्र द्वारा Allahabad Bank Branch Ashok Nagar

का उनके पत्र संख्या P दिनांक 9/4/18 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

Vmp Patna

निबंधन पदाधिकारी,

SPL-469/99-2,00,000

Scanned by CamScanner

Sub Registry Office, Danapur

Receipt for search, inspection and copy

Umesh Kumar

Misc token no. Serial no. 406

Year Date 9-4-18

Received from

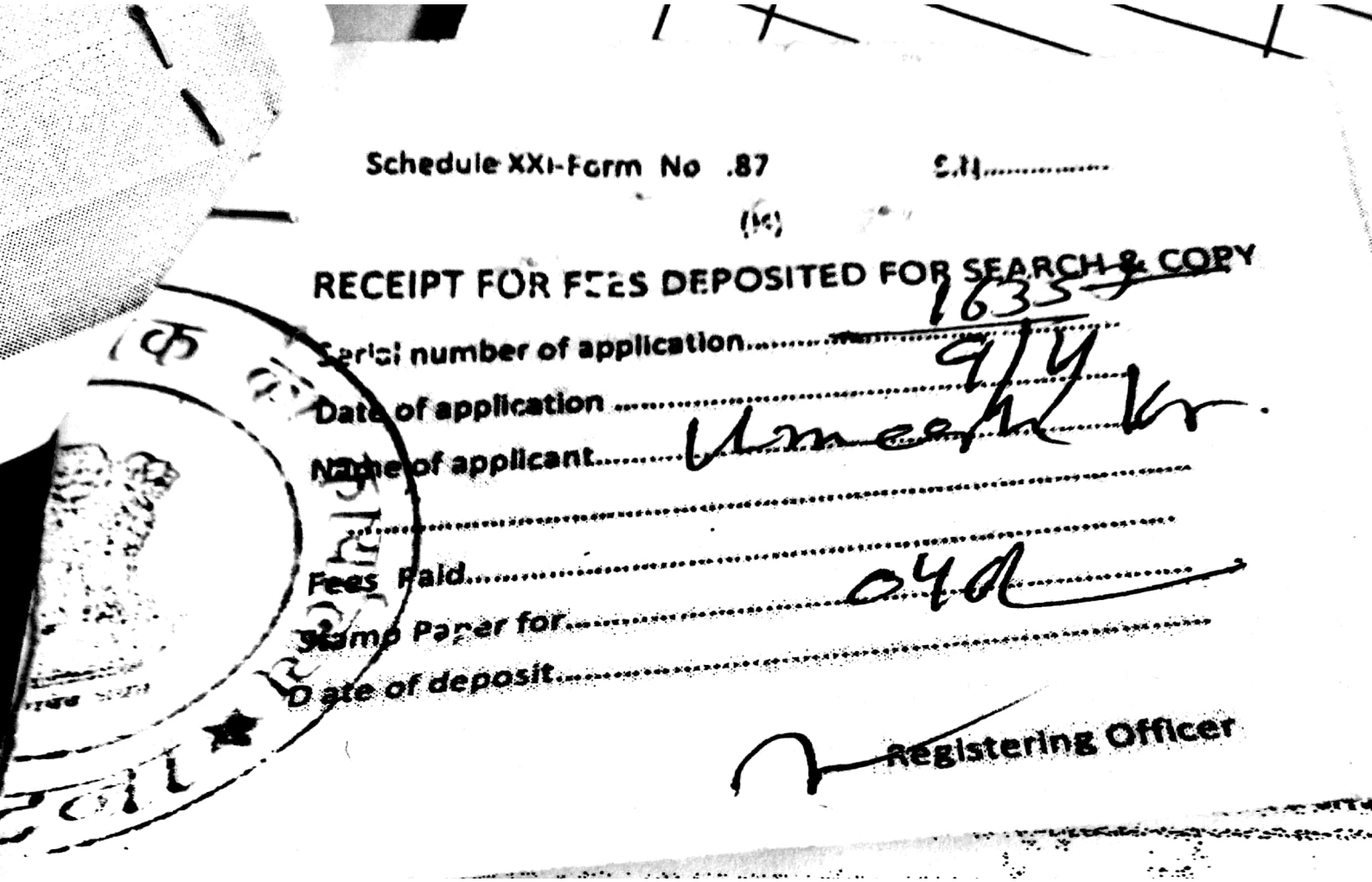
Following fees:

F (i)- 0
F (ii)- 0
F (iii)- 0
F (iv)- 0
G- 0
G(a)- 0
Total- 0

300

Registering Officer

Scanned by CamScanner



Schedule XXI-Form No .87 S.H.....

(iv)

RECEIPT FOR FEES DEPOSITED FOR SEARCH & COPY

Serial number of application..... 1635

Date of application 9/4

Name of applicant..... Umesh Kr.

.....

Fees Paid..... 040

Stamp Paper for.....

Date of deposit.....

Registering Officer

Scanned by CamScanner

अनुसूची 21—फारम सं0—113

Umesh Kumar

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र संख्या ..... 20 ..... आवेदन सं0 3483/2018

चूँकि श्री Umesh Kumar

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपत्ति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये।
(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण है।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता0 1.1.2004 से ता0 31.12.04 तक तलासी की गयी और ऐसी तलासी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला ..... चला है अत:

Annexure-B06

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza —— Jalalpur P.S. —— Rupaspur Khata No —— 158 Tauzi No —— 5525 Thana No —— 22 Plot No —— 70 Area —— 96 dec = 4181.6 Sqft.							

Scanned by CamScanner

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।

2. बंधक-पत्र की दिशा ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।

3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुक्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रगाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलाशी का प्रमाण-पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

तलाशी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम):

कार्यालय: Patna

तारीख: 11/4/18

सुलभ अवर निबंधक पटना

सुलभ एवं निबंधन प्रदाधिकारी का हस्ताक्षर

11/4/18

टिप्पणी :— इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है आवेदन द्वारा प्रस्तुत संपत्ति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं-किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियम की धारा-57 के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमणियों (इन्डेन्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण-पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलाशी स्वंय करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(ग) किन्तु चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने स्वंय तलाशी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलाशी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलाशी स्वंय की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक Patna

ज्ञाप संख्या 2609 दिनांक 11/4/18

आवेदक श्री Umesh Kumar

का ऋणभार प्रमाण-पत्र द्वारा Manager, Allahabad Bank - CRBB Ashok Nagar Patna

का उनके पत्र संख्या ..... दिनांक ..... के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,
Patna
11/4/18

Scanned by CamScanner